मनसा सेवा - 35

➢➢ सेवाओं के प्रति बापदादा की मुखय शिक्षाएं

➳ _ ➳ मुझे कैसे भी करके सहयोगी बनना है

➳ _ ➳ मैं जिम्मेवार हूँ ... Responsible ⋯ Accountable ⋯ Answerable

➢➢ ब्राह्मण आत्माओं की ज़िम्म्वारियाँ

➳ _ ➳ वायुमंडल को शक्तिशाली बनाना

➳ _ ➳ श्रीमत पर चलना

➳ _ ➳ सेवा

→ स्व सेवा

- स्वयं को सदैव जागृत रखना
- स्वयं को शक्तिशाली बनाना
- स्वयं को निर्विघन बनाना
- स्वयं को व्यर्थ से मुक्त रखना

→ यग्य सेवा

- अमानत में खयानत नहीं करना
- खर्च कम, मेहनत कम, समय खर्च कम, सफलता ज्यादा
- दूसरों के पुरुषार्थ में उन्हें मदद करना
- सेण्टर के प्रति, बहनों के प्रति , मधुबन के प्रति , मुरली के प्रति, यज्ञ सेवा के प्रति आत्माओं की भावना बढाना
- "जैसा कर्म मैं करूंगा, मैं देखकर और करूंगा" - अपने कर्मों से एक रोल मॉडल बनना
- बालक सो मालिक, मालिक सो बालक का पाठ
- कोई आत्मा यज्ञ छोड़कर न जाने पाए
- यज्ञ छोड़कर गयी हुई आत्मा को वापिस ले आना
- अपने अनुभव सुनाकर दूसरों को सहयोग देना

→ विश्व सेवा

- विश्व कल्याण की भावना
- अशांत को शांत करना
- दुखी को सुखी बनना

➳ _ ➳ असहयोगी से प्रयोगी आत्मा में परिवर्तन

→ असहयोगी को सहयोगी बनाना

→ सहयोगी को योगी बनाना

→ योगी को प्रयोगी बनाना

➢➢ ख़ुशी की लहर कैसे फैलाएं ?

➳ _ ➳ सबस पहले स्वयं को खुश रखिये

→ चेहरे पर सदैव smile रहे

➳ _ ➳ सर्व के प्रति अपनेपन की भावना

➳ _ ➳ अपने श्रेष्ठ अनुभव सुनाइए

➳ _ ➳ दूसरों को Appreciate कीजिये

Avyakt Murli Reference :- Page Number 25…26 Of Mansa Sewa Book

---